

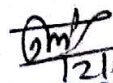
अज अदालत
फर्द अहकाम
(नियम 26)

राजस्थान सरकार जरिये
तहसीलदार सिणधरी

बनाम

तहसीलदार सिणधरी
मुकदमा स. 114/2017

तारीख हुकम	हुकम कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
12.4.17	<p>यह आवेदन पत्र प्रार्थी राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार सिणधरी की ओर से अन्तर्गत धारा 130,131,136 भू अभिलेख अधिनियम सपठित नियम 59,60,66,86 भू अभिलेख नियम 1970 के तहत पेश है। जो आवेदन पत्र दर्ज रजिस्टर हो।</p> <p>प्रार्थी पक्ष की ओर से निवेदन किया गया,कि विवादित भूमि में दर्शित रकबा राजस्थान सरकार(समर्पण भूमि) के खाते में दर्ज है। जिसकी किस्म बा.सो. राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। लेकिन उक्त रकबा आम जन के आने जाने हेतु रास्ते के रूप में उपयोग में आ रहा है। जिसे राजस्व रिकार्ड में गै.मु.रास्ता दर्ज किया जावे।</p> <p>हमने प्रार्थी पक्ष को सुना। और पत्रावली के सलंगन राजस्व रिकार्ड,दस्तावेजात का गम्भीरता पूर्वक अवलोकन किया। तथा तथ्यो का विधि के परिप्रेक्ष्य में विवेचन किया गया। जिसमें पाया कि,आवेदन में दर्शित विवादित भूमि का रकबा किस्म बा.सो.राजस्थान सरकार (समर्पण भूमि) के खाते में दर्ज है। जिसकी मौके पर उक्त रकबा का आजजन के आने जाने हेतु रास्ते के रूप में उपयोग में लिया जा रहा है,और तहसीलदार सिणधरी द्वारा भी उक्त रकबे की किस्म बा.सो.से गै.मु.रास्ता दर्ज करने की सिफारिश की गई है। इस प्रकार अदालत को गै.मु.रास्ता दर्ज किये जाने में कोई आपत्ति प्रतीत नहीं होती है।</p> <p>लिहाजा प्रार्थी का आवेदन लोकभावना एवं जनहित को मध्यनजर रखते हुए स्वीकार किया जाकर विस्तृत आदेश पृथक से लिखवाया जाकर सुनाया गया और शामिल मिसल किया गया।</p> <p>पत्रावली रिड्यू फेसलसुमार होकर दाखिल दफतर हो।</p>	


12.4.17
उपखण्ड अधिकारी, सिणधरी